सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 16 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 16 फरवरी, 2022
मूल्य ₹ 3/-

हर्ष और आनंद से परिपूर्ण जीवन केवल ज्ञान और विज्ञान के आधार पर संभव है।

-सर्वपल्ली राधाकृष्णन

जिद...सच की

डबल इंजन की सरकार में भ्रष्टाचार... 2 | दूसरे चरण में पिछली बार के... 3 | बाराबंकी में कंटेनर से टकराई... 7

रविदास जयंती पर चढ़ा सियासी पारा

दिल्ली से बनारस तक मत्था टेकने पहुंचे राजनेता

संत रविदास मंदिर पहुंचे दिग्गज

- पीएम मोदी ने शबद कीर्तन में लिया हिस्सा, वाराणसी में संत रविदास मंदिर पहुंचे योगी, राहुल, प्रियंका और संजय सिंह
- पंजाब चुनाव और यूपी के तीसरे चरण के मतदान से पूर्व अनुयायियों को साधने की कोशिश, 20 फरवरी को होगी वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी और पंजाब विधान सभा चुनाव के बीच संत रविदास जयंती पर आज दिल्ली से लेकर बनारस तक सियासी पारा चढ़ा रहा। पंजाब के पठानकोट में आयोजित सभा को संबोधित करने के पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने जहां दिल्ली में रविदास मंदिर में मत्था टेका वहीं यूपी विधान सभा के तीसरे चरण के मतदान से पहले वाराणसी के सीर गोवर्धन में स्थित संत रविदास मंदिर में विभिन्न सियासी दलों के नेताओं का जमावड़ा लगा रहा है। इसके जरिए सियासी दलों के नेता यूपी से लेकर पंजाब तक के संत रविदास के अनुयायियों को संदेश देने की कोशिश करते दिखे।

संत रविदास जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के करोलबाग में श्री गुरु रविदास विश्राम धाम मंदिर पहुंचे और मत्था टेका। यहां वे शबद कीर्तन में भी शामिल हुए। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाराणसी में स्थित संत रविदास की जन्म स्थली सीर गोवर्धनपुर में बने मंदिर पहुंचे। मंदिर पहुंचकर सीएम चन्नी ने मत्था टेका वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने लंगर चखा। सीएम योगी ने कहा कि सदगुरु का रास्ता सामाजिक समरसता के लिए जरूरी है, उस पर सबको चलना चाहिए। मैंने लंगर चखा और गुरुओं से मुलाकात की। भाजपा विकास का काम जारी रखेगी। आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद और यूपी प्रभारी संजय सिंह भी मंदिर पहुंचे। उन्होंने कहा कि कोई भी इंसान अपनी जाति से नहीं, बल्कि अपने कर्म से छोटा या बड़ा होता है। संत रविदास के इसी संदेश को लेकर मैं आज मत्था टेकने आया हूं। यहां आना राजनीति का प्रश्न नहीं श्रद्धा और संत रविदास के विचारों को अपनाने का संदर्भ है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा भी संत शिरोमणि की जन्मस्थली पर हाजिरी लगाने पहुंचे। माना जा रहा है कि चुनाव के दौरान भाजपा, कांग्रेस सहित सभी दल के नेता यूपी के पूर्वांचल के साथ पंजाब के दलित व महिला वोटरों को साधने की कोशिश कर रहे हैं। यूपी में तीसरे चरण का मतदान भी 20 फरवरी को है।

पंजाब में बदली गयी थी मतदान की तारीख

रविदास जयंती की वजह से पंजाब विधान सभा चुनाव की तारीख भी बदली गई थी। पहले यहां 14 फरवरी को मतदान होना था लेकिन सभी दलों ने चुनाव आयोग से तारीख बढ़ाने की मांग की, जिसके बाद 20 फरवरी को मतदान की घोषणा की गई। रविदास जयंती पर पंजाब से बड़ी संख्या में लोग वाराणसी जाते हैं, जिसे देखते हुए ये मांग की गई थी।

सपा प्रमुख अखिलेश ने दी शुभकामनाएं

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने संत रविदास जयंती पर सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ट्वीट किया, मनचंगा तो कठौती में गंगा...संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। संत रविदास जी का जीवन व उनके आदर्श सदियों तक मानव समाज को करुणा व कल्याण के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

मायावती ने किया नमन

बसपा प्रमुख मायावती ने संत रविदास जयंती पर उनको नमन किया और लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ट्वीट किया, 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' का इंसानियत भरा आदर्श व अमर संदेश देने वाले महान संतगुरु रविदास जी को उनकी जयंती पर शत-शत नमन व अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित तथा देश व दुनिया में रहने वाले उनके सभी अनुयायियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

भाजपा का हर वादा निकला जुमला, सभी को दिया धोखा : अखिलेश

- फसलों पर देंगे एमएसपी, करेंगे सरकारी पदों पर भर्ती
- औरैया में सपा प्रमुख ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

औरैया। औरैया में आयोजित जनसभा में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर चुन-चुनकर वार किए। उन्होंने कहा कि पहले और दूसरे चरण के चुनाव में भाजपा का सफाया हो गया है। जो गर्मी निकालने की बात कर रहे थे उनके नेता और कार्यकर्ता ठंडे हो गए हैं। जैसे-जैसे चुनाव के चरण आगे बढ़ेंगे भाजपा शून्य हो जाएगी। भाजपा का हर वादा जुमला निकला। इससे जनता परेशान है। किसानों के साथ भाजपा ने धोखा किया है।

उन्होंने कहा कि जो जितना बड़ा नेता है वह उतना बड़ा झूठ बोल रहा है। जिस मंत्री पुत्र ने किसानों को गाड़ी से कुचला था, उसे जमानत मिल गयी। सरकार बनने पर ऐसी पैरवी होगी कि जिन्होंने किसानों की जान ली है उनको जेल होगी ही उनकी पैरवी करने वाले भी बख्शे नहीं जाएंगे। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई है। उन्होंने जनता से अन्न संकल्प लेने और यूपी से भाजपा को हटाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लखनऊ में स्मार्ट फोन बांटे गए लेकिन यहां के लोगों को कुछ नहीं मिला। सपा सरकार बनने पर 11 लाख सरकारी पदों को भरेंगे। तीन सौ यूनिट फ्री बिजली मिलेगी। किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली मिलेगी। एमएसपी पर फसलों की खरीद होगी। महंगाई बढ़ गयी। पेट्रोल-डीजल के दाम आसमान पर हैं। भाजपा सरकार गरीबों की जेब से पैसा निकालकर अमीरों की तिजोरी भर रही है।

जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ेगा भाजपा का होगा सफाया

भाजपा प्रत्याशियों पर हमले कराना विपक्ष की साजिश : केशव मौर्य

» आरोप- एसपी सिंह बघेल पर सपा ने करवाया हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मतदान के चरण बढ़ने के साथ ही माहौल गरमाता जा रहा है। मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के सामने भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार केंद्रीय कानून राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल के काफिले पर हमले के बाद भाजपा नेताओं ने इस घटना के लिए समाजवादी पार्टी को जिम्मेदार बताया है। दावा किया गया है कि करहल सीट से एसपी सिंह बघेल पर सपाई गुंडों ने हमला किया है।

यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने हमले को लेकर समाजवादी पार्टी को कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि अखिलेश यादव चुनाव में हार के डर से आपने अपने पालतू गुंडों से भाजपा प्रत्याशी और भाजपा नेताओं पर हमला करवाते हो, आपने हमला नहीं अपनी पराजय सुनिश्चित की है। क्या यही नई सपा है जो आपके खिलाफ चुनाव लड़े, उस पर हमला कराओंगे। उन्होंने भाजपा प्रत्याशियों पर हमले कराना विपक्ष की साजिश करार दिया। केशव प्रसाद मौर्य ने अपने अगले ट्वीट में आरोप लगाया कि मैनपुरी के करहल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल के काफिले पर सपाई गुंडों द्वारा हमला करना, असली चरित्र दिखाया है, कल ही भाजपा सांसद गीता शाक्य पर भी हमला किया गया था। दोनों घटनाओं के दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। केशव प्रसाद मौर्य ने चुनाव आयोग से मैनपुरी के हर बूथ पर केंद्रीय बल तैनात करने की मांग की है।

हार की कगार पर खड़ी सपा : स्वतंत्र देव

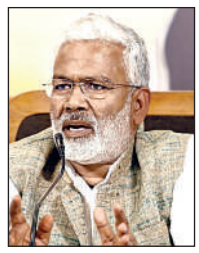

यूपी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा अखिलेश यादव हार की कगार पर खड़े हैं, इसीलिए हमला करवाया गया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, करहल विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल के काफिले पर हमला यह दर्शाता है कि वहां से सपा के प्रत्याशी अखिलेश यादव हार की कगार पर खड़े हैं। चुनाव में जीत जनता के आशीर्वाद के बल पर मिलती है, गुंडो के आतंक के बल पर नहीं।

राज्य का विकास सिर्फ कांग्रेस कर सकती है : प्रियंका गांधी

» कांग्रेस महासचिव ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मणिपुर में वर्चुअल रैली को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से 2-तीन बड़े उद्योगपतियों को फायदा हो रहा है, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग को उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है। प्रियंका गांधी ने कहा कि, आज जो राज्य के मुख्यमंत्री हैं वो आपकी आवाज नहीं सुन रहे हैं। अगर हमारी सरकार आएगी तो हम सिंचाई पर पूरा ध्यान देंगे। प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि उनकी पार्टी राज्य का विकास चाहती है। मणिपुर में कांग्रेस ने वाम दलों के साथ गठबंधन किया है।

पिछले पांच साल में कांग्रेस के 16 विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं। अफस्पा को खत्म करना मणिपुर में कांग्रेस का अहम चुनावी एजेंडा है। प्रियंका गांधी ने वर्चुअल रैली के दौरान जनता की समस्याओं को दूर करने का वादा भी किया। उन्होंने कहा मणिपुर के लिए कांग्रेस सबसे अच्छी पसंद है। मणिपुर में अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो लोगों की मांगों पर ध्यान देगी। उन्होंने कहा, मणिपुर में नौकरियां पैदा करने का समय आ गया है। हम मणिपुर रेजिमेंट बनाएंगे और स्थानीय स्तर पर परीक्षाएं आयोजित करेंगे। प्रियंका गांधी ने मणिपुर के लिए कांग्रेस के एजेंडे को जनता के सामने रखा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का फोकस विकास और महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर है। पिछले पांच वर्षों की राजनीति ने आपको चोट पहुंचाई है।

हरिद्वार की जनता का आशीर्वाद बेटी को जरूर मिलेगा : हरीश रावत

» बहुमत से सरकार बनाने का किया दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए हुए मतदान के ठीक अगले दिन पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का बड़ा बयान सामने आया है। उनके अनुसार पार्टी के सत्ता में आने पर या तो वह मुख्यमंत्री बनेंगे या फिर घर बैठ जाएंगे। तीसरा कोई विकल्प ही नहीं है। हरीश के अनुसार वह अपनी सोच के अनुसार नया उत्तराखंड बनाना चाहते हैं, इसलिए वह किसी भी बात पर समझौता नहीं कर सकते हैं। हरीश ने आगे कहा कि वह इस समय अपनी सोच के लिए कोई समझौता नहीं कर सकते हैं।

इसलिए उनके लिए बहुत ज्यादा विकल्प नहीं हैं। वह या तो मुख्यमंत्री बनेंगे या घर बैठना पसंद करेंगे। वहीं दूसरी तरफ एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में हरीश रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह हाईकमान तय करेगा। जो भी निर्णय होगा, उन्हें स्वीकार होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी 45 से 48 सीटें जीत रही है। इसका श्रेय उन्होंने राहुल गांधी को दिया। उधर, इस मुद्दे पर प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि पहले मतदान का रिजल्ट तो आ जाए, मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह बाद की बात है। इस विषय में वह अभी से कुछ नहीं कहना चाहते हैं। कुमाऊं की लालकुआं सीट से चुनाव लड़े पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि वह और हरिद्वार ग्रामीण से उनकी बेटी अनुपमा रावत दोनों जीत रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके प्रतिद्वंद्वी भाजपा के डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने उन्हें कड़ी टक्कर दी है। हरिद्वार ग्रामीण सीट से किस्मत आजमा रहीं उनकी बेटी अनुपमा रावत के बारे में हरीश रावत ने कहा कि निश्चित तौर पर अनुपमा जीत रहीं हैं। उन्होंने खुद 20 से 22 साल हरिद्वार की सेवा की है, इसलिए हरिद्वार की जतना का आशीर्वाद अनुपमा को जरूर मिलेगा। पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि चुनाव में हमने जनता से बहुमत मांगा था, लेकिन इस तरह के रूझान आ रहे, ऐसा लगता है, जनता ने हमें उससे ज्यादा दे दिया है। कांग्रेस पार्टी 45 से 48 सीटें जीत रही हैं। वह इतनी सीटों को लेकर आश्वस्त हैं।

डबल इंजन की सरकार में भ्रष्टाचार भी डबल : जयंत चौधरी

» हाथरस में मंच का माहौल देख संक्षिप्त भाषण देखकर लौटे रालोद मुखिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रालोद के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने हाथरस की सादाबाद विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी एवं राष्ट्रीय लोक दल गठबंधन प्रत्याशी प्रदीप चौधरी उर्फ गुड्डू के समर्थन में जनसभा की। गांव मई में आयोजित जनसभा में रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने अपने भाषण की शुरूआत राम राम से की। सभा के दौरान मंच पर अप्रत्याशित भीड़ हो गई। इसके चलते जयंत चौधरी संक्षिप्त भाषण देकर लौट गए। रालोद अध्यक्ष ने ऐसा इसलिए किया कि अलीगढ़ में इगलास में अधिक भीड़ होने से मंच टूट गया था।

जयंत ने कहा रालोद मुखिया ने सादाबाद के गांव मई की सभा में कहा कि पांच साल में आपने देखा कि हर छोटे बड़े दफ्तर में क्या हाल हुआ। डबल इंजन की सरकार में भ्रष्टाचार डबल हो गया। पास में बूलगढ़ी है। सोचिए इस घटना से परिवार पर क्या बीती होगी। गरीब परिवार की बेटी की हत्या कर दी गई। अंतिम दर्शन भी परिवार वाले नहीं कर पाए। योगी जी सरकार को बदनाम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय साजिश बता रहे थे। इनकी सोच क्या थी? सही बात कहने पर लाठी चलाई गईं तब यहां के प्रत्याशी गुड्डू चौधरी ने ही मेरा बचाव किया। दो साल कोरोना में खराब हुए हैं। इससे पहले राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी सादाबाद विधानसभा क्षेत्र के मोहनलाल फार्म हाउस पर भी आयोजित सभा को संबोधित किया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

योगी के गढ़ में तेज हुई हाथी की चाल

» बसपा ने विधान सभावार रैलियों की रणनीति तय की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोरखपुर बेल्ट में नामांकन पत्रों की जांच के बाद बसपा के सभी प्रत्याशियों के पर्चे वैध पाए गए हैं। नामांकन पत्रों की जांच का इंतजार कर रहे पार्टी पदाधिकारियों ने सभी प्रत्याशियों के वैध मिलने पर राहत की सांस ली है। लोगों का समर्थन जुटाने के लिए हाथी यानी बसपा ने अपनी चाल तेज कर दी है। सभी विधानसभा क्षेत्रों में रैलियों एवं बैठकों की रणनीति बना ली गई है। स्टार प्रचारकों के कार्यक्रम भी तय किए जा रहे हैं।

बसपा का संगठन एवं प्रत्याशियों का पूरा फोकस इस बात पर था कि पर्चा किसी भी सूरत में खारिज न हो। लेकिन कुछ विधानसभा क्षेत्रों में कुछ सेट पर्चे अवैध पाए गए। एक से अधिक सेट में पर्चा दाखिल करने की रणनीति ने उन्हें चुनाव मैदान में बनाए रखा है। बसपा प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने के लिए 26 अप्रैल को राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती गोरखपुर आ रही हैं। जिला से लेकर मंडल पदाधिकारी इस रैली को सफल बनाने में जुट गए हैं।

मायावती के जाने के बाद सतीश मिश्र अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी के प्रचार की कमान संभालेंगे। नामांकन के अंतिम समय तक प्रत्याशियों में बदलाव करने वाली बसपा सुप्रीमो हर हाल में मजबूत प्रत्याशी की तलाश में थीं। कई विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशी बदलने से लड़ाई रोचक भी हो गई है। बसपा के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि विधानसभा क्षेत्रों में तेजी से प्रचार शुरू कर दिया गया है। बड़े नेताओं के आने से पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनेगा।

स्टार प्रचारक को मिली जिम्मेदारी

अब पार्टी अपने मूल मतदाताओं को जोड़े रहने के साथ ही अन्य वर्ग के मतदाताओं को भी लुभाने में जुटी है। यही कारण है कि समाज के विभिन्न वर्गों से आने वाले नेताओं को स्टार प्रचारक के रूप में प्रचार का जिम्मा दिया गया है। सभी विधानसभा क्षेत्रों में रैली कराने के लिए मैदान बुक कराए जा रहे हैं। साथ ही बैठकों को लेकर भी अनुमति ली जा रही है। पुराने पदाधिकारियों को भी अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है। बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को अपने पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए लगाया गया है।

दूसरे चरण में पिछली बार के मुकाबले कम हुई वोटिंग, टेंशन में प्रत्याशी

» एक फीसदी कम मतदान होने से सभी दलों की बेचैनी बढ़ी

» नौ जिलों की करीब 40 सीटें, जहां मुस्लिम वोटर्स निर्णायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नौ जिलों की 55 सीटों पर दूसरे चरण का मतदान खत्म हो चुका है। पिछली बार के मुकाबले वोटिंग में एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। इस बार 64.71 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया जबकि 2017 में 65.71 फीसदी लोगों ने वोट डाला था। अमरोहा, बरेली, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, सहारनपुर, बिजनौर, संभल, रामपुर और बदायूं जिले में पड़ने वाली इन 55 सीटों पर कुल 586 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इन सीटों पर इस बार लड़ाई काफी कड़ी होने वाली है। इस बीच मतदान प्रतिशत को लेकर सियासी गलियारे में चर्चा शुरू हो गई है।

ये चर्चा इसलिए भी हो रही क्योंकि दो दिन पहले ही योगी सरकार में गन्ना मंत्री सुरेश राणा ने जिला निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर मुजफ्फरनगर की अपनी विधानसभा सीट थानाभवन के 40 बूथों पर फिर से मतदान कराने की मांग की थी। हालांकि जिलाधिकारी ने उनकी ये मांग ठुकरा दी है। राणा जिन 40 बूथों पर वह दोबारा मतदान चाहते हैं, वे मुस्लिम बहुल्य इलाकों में हैं। इन बूथों पर इस बार 70 से 90 फीसदी वोट पड़े हैं। वहीं दूसरी ओर हिंदू बाहुल्य बूथों पर पिछली बार के मुकाबले इस बार मतदान में गिरावट हुई है। ये तो पहले चरण की बात हुई। अब दूसरे चरण की बात कर लेते हैं। इस चरण में नौ जिलों की करीब 40 सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम वोटर्स निर्णायक हैं इसलिए हर कोई ये जानना चाहता है कि इन इलाकों में मतदान घटने या बढ़ने से किसे फायदा होगा? यह रिजल्ट आने पर ही पता चलेगा।

कांटे का है मुकाबला

उत्तर प्रदेश की सियासत पर पैनी नजर रखने वाले राजनीतिक विश्लेषक डॉ. नीलम गुप्ता कहती हैं कि अंदाजा लगाया जा सकता है कि मतदान घटने या बढ़ने से किसका फायदा हुआ और कौन नुकसान में गया? अगर हम दूसरे चरण वाली 55 सीटों की बात करें तो इनमें 80 फीसदी सीटों पर मुस्लिम वोटर्स का काफी प्रभाव है। अगर इन सीटों पर खासतौर पर मुस्लिम बहुल बूथों पर मतदान बढ़ता है तो इसका सीधा नुकसान भाजपा को होगा। ऐसी स्थिति में फायदा समाजवादी पार्टी को मिल सकता है। हालांकि, इन चुनावी जिलों से कई ध्रुवीकरण वाली राजनीति के वीडियो सामने आ चुके हैं। ऐसे में अगर यहां ध्रुवीकरण की राजनीति हावी होती है तो फिर मुकाबला कांटे का हो सकता है।

दूसरे चरण में 64 प्रतिशत मतदान

दूसरे चरण का मतदान सोमवार को संपन्न हो गया। 9 जिलों की 55 सीटों पर 64.42 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस चरण में 586 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। वहीं, यूपी में पहले चरण के मतदान के दौरान 62 फीसदी मतदान हुआ था।

55 में से 40 सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं का प्रभाव

दूसरे चरण में जिन नौ जिलों में मतदान हुआ, इन जिलों की 40 सीटों पर 30 से 55 फीसदी मुस्लिम वोटर्स हैं। मतलब इन सीटों पर मुस्लिम वोटर्स काफी निर्णायक होने वाले हैं। 2017 में इन 55 में से 38 सीटों पर भाजपा की जीत हुई थी। 15 सीटों पर सपा और दो पर कांग्रेस उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। समाजवादी पार्टी ने जिन 15 सीटों पर जीत दर्ज की थी, उसमें से 10 मुस्लिम उम्मीदवार जीत दर्ज कर विधानसभा पहुंचे थे।

अब पूर्वांचल को मथने की तैयारी में भाजपा के दिग्गज

» गोरखपुर में अमित शाह रोड-शो और महराजगंज में पीएम मोदी कर सकते हैं सभा

» रामकोला में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की डिमांड, 20 फरवरी से शुरू होगा सिलसिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में अब भाजपा के दिग्गज पूर्वांचल को मथेंगे। पार्टी नेतृत्व ने इसकी कार्ययोजना तैयार कर ली है। गोरखपुर में गृह मंत्री अमित शाह के रोड-शो की तैयारी है तो महराजगंज में प्रधानमंत्री की सभा हो सकती है। गोरखपुर और बस्ती मंडल के अलग-अलग विधान सभा क्षेत्रों की चुनावी सभाओं के मंच पर हेमा मालिनी, स्मृति ईरानी, शिवराज चौहान और शहनवाज हुसैन भी नजर आएंगे।

बस्ती में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, देवरिया में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और कुशीनगर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की चुनावी सभाएं तक मानी जा रही हैं। हालांकि इसे लेकर पार्टी की ओर से अब तक कोई आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बीते महीनों में गोरखपुर, कुशीनगर और सिद्धार्थनगर में आयोजित रैली और जनसभाओं को संबोधित कर चुके हैं। ऐसे में इस बार फिर उनका कार्यक्रम गोरखपुर मंडल के महराजगंज में होने जा रहा है। बस्ती मंडल में बस्ती या संतकबीर नगर में भी प्रधानमंत्री की सभा हो सकती है। बीते दो चुनाव (2017 के विस चुनाव व 2019 के लोस चुनाव) से प्रचार समाप्त होने से ठीक पहले अमित शाह का गोरखपुर में रोड-शो हुआ था। ठीक उसी तरह इस चुनाव में रोड-शो होने की जानकारी भाजपा सूत्रों से मिल रही है। 27 व 28 फरवरी को रोड-शो करने का प्रस्ताव पार्टी के स्थानीय नेतृत्व ने शीर्ष नेतृत्व को भेजा है। हमेशा की तरह एक बार भी रामकोला में राजनाथ सिंह की सभा की डिमांड है। इसे लेकर विधान सभा क्षेत्र के प्रत्याशियों की ओर से डिमांड मांगी गई थी। वह डिमांड जिला और क्षेत्रीय नेतृत्व के माध्यम से शीर्ष नेतृत्व को भेजी जा चुकी है। दो से तीन दिन में सभी नेताओं का कार्यक्रम आ जाएगा। सभाओं का सिलसिला 20 फरवरी से शुरू हो जाएगा।

फाजिल नगर में केशव मौर्य की खास डिमांड

फाजिलनगर में स्वामी प्रसाद मौर्य को जातीय गणित में मात देने के लिए भाजपा प्रत्याशी ने शीर्ष नेतृत्व से केशव मौर्य को लेकर खास डिमांड की है। माना जा रहा है कि फाजिल नगर और आसपास के क्षेत्र में केशव मौर्य की कम से कम तीन सभाएं होंगी। प्रत्याशी, संगठन और केशव मौर्य के बीच सभाओं की तिथि तय करने की बातचीत हो रही है।

हर विस क्षेत्र में होगी जनसभा

पार्टी के मुताबिक सभी भाजपा प्रत्याशियों ने अपने-अपने क्षेत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभा की डिमांड की है। ऐसे में पूरी संभावना है कि योगी किसी प्रत्याशी को निराश नहीं करेंगे। जन सभा के लिए गोरखपुर-बस्ती मंडल के सभी 41 विधानसभा क्षेत्रों में जाने का प्रयास करेंगे। बहुत जल्द यह कार्यक्रम भी तय कर लिया जाएगा।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सौर ऊर्जा पर फोकस के मायने

भारत आज एशिया में तीसरा सबसे बड़ा एवं विश्व में चौथा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन चुका है। साल भर तक देश के विभिन्न राज्यों में मौसम की विविधता के कारण सौर ऊर्जा की अपार सम्भावनाएं हैं। लद्दाख में सौर ऊर्जा के उत्पादन पर बहुत कार्य किए जा रहे हैं। इसके अलावा अन्य राज्यों में भी सौर ऊर्जा के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

देश में डीजल-पेट्रोल पर निर्भरता कम करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार अब सौर ऊर्जा आधारित अर्थव्यवस्था पर फोकस कर रही है। सौर ऊर्जा के प्रयोग से डीजल-पेट्रोल पर खर्च हो रही विदेशी मुद्रा को कम किया जा सकेगा। इसका सीधा असर देश के खजाने पर पड़ेगा। आज भारत पूरे विश्व में कच्चे तेल का सबसे अधिक आयात करने वाले देशों में शामिल है एवं इस मद में सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च की जाती है। लिहाजा भारत में सौर ऊर्जा के विकास पर जोर दिया जा रहा है। सवाल यह कि सौर ऊर्जा के उत्पादन का देश की अर्थव्यवस्था पर क्या असर पड़ेगा? क्या देश के पास इस तरह की ऊर्जा के उत्पादन की तकनीकी और संसाधन मौजूद हैं? क्या विदेशी निवेश के जरिए इस क्षेत्र में विकास किया जा सकता है? क्या देश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकता है? विश्व में सौर ऊर्जा के उत्पादन में भारत कहां खड़ा है?

भारत आज एशिया में तीसरा सबसे बड़ा एवं विश्व में चौथा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन चुका है। साल भर तक देश के विभिन्न राज्यों में मौसम की विविधता के कारण सौर ऊर्जा की अपार सम्भावनाएं हैं। लद्दाख में सौर ऊर्जा के उत्पादन पर बहुत कार्य किए जा रहे हैं। इसके अलावा अन्य राज्यों में भी सौर ऊर्जा के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका असर देखने को मिल रहा है। देश के जिन दूरदराज के इलाकों में बिजली नहीं पहुंच पा रही थी अब वहां सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली पहुंचायी जा रही है। सौर ऊर्जा की उत्पादन क्षमता 2014 के 2.63 गीगावाट से बढ़कर वर्ष 2021 में 42.33 गीगावाट हो गई है। सौर ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने के लिए संबंधित संयत्रों का भारत में ही निर्माण बढ़ाने के उद्देश्य से 19,500 करोड़ की अतिरिक्त व्यवस्था की गयी है। सौर ऊर्जा से संचालित वाहनों का भी उत्पादन किया जा रहा है। इससे पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहनों और इससे निकलने वाले धुएं से वातावरण में उत्पन्न हो रहे प्रदूषण पर लगाम लगायी जा सकेगी। इसके अलावा जीवाश्म ईंधन के प्रयोग में भी कमी आएगी। सौर ऊर्जा के बढ़ते उत्पादन से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के खर्च में भी कमी आएगी। इसका प्रयोग अन्य विकास कार्यों में किया जा सकेगा। यही नहीं अमेरिका समेत कई देश सौर समेत अन्य वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादन में यहां निवेश भी कर रहे हैं। जाहिर है अधिक से अधिक सौर ऊर्जा के उत्पादन के लिए सरकार को न केवल तकनीकी का विकास करना होगा बल्कि हर स्तर पर इसके उत्पादन के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना होगा। यदि इसमें सफलता मिल गयी तो भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र विश्व के तमाम देशों को पीछे छोड़ देगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राज्यों के जीएसटी संकट की अनदेखी

भरत झुनझुनवाला

सरकार की आय मुख्यत: आयकर एवं जीएसटी से होती है। हाल में जीएसटी की मासिक वसूली पूर्व के 100 हजार करोड़ प्रति माह से बढ़कर 140 हजार करोड़ हो गई है जो पूर्व से 40 प्रतिशत अधिक है। इससे संकेत मिलता है कि अर्थव्यवस्था का चक्का घूम रहा है। लेकिन प्रश्न है कि यदि जीएसटी की वसूली में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तो जीडीपी में मात्र 9 प्रतिशत की वृद्धि क्यों हुई? जीएसटी को उत्पादन पर वसूल किया जाता है। जब उत्पादन बढ़ेगा तो एक तरफ जीडीपी बढ़ेगा और दूसरी तरफ जीएसटी की वसूली बढ़ेगी इसलिए जीडीपी में भी 40 प्रतिशत की वृद्धि होनी चाहिए थी। यदि उत्पादन वास्तव में 40 प्रतिशत बढ़ रहा है तो जीडीपी 9 प्रतिशत क्यों मात्र क्यों बढ़ रहा है? और यदि उत्पादन 9 प्रतिशत बढ़ रहा है तो फिर जीएसटी की वसूली 40 प्रतिशत कैसे बढ़ रही है? हमें अर्थव्यवस्था को दो हिस्सों में बांटकर समझना होगा।

एक, छोटे उत्पादक जो जीएसटी के दायरे से बाहर आते हैं जैसे सड़क पर मूंगफली भून कर बेचने वाला और दूसरे बड़े उत्पादक जो जीएसटी के दायरे में आते हैं जैसे पैकेट में बंद मूंगफली को बेचने वाले। ऐसा समझ आ रहा है कि नोटबंदी, जीएसटी और कोविड संकटों के कारण छोटे उद्यमी का धंधा चौपट हो गया है। इनके द्वारा मूंगफली भून कर बेचना कम हो गया है और इसी मात्रा में बड़ी कंपनियों द्वारा पैकेट में बंद मूंगफली की बिक्री बढ़ गई। कुल उत्पादन पूर्ववत बना हुआ है लेकिन जो उत्पादन अब तक छोटे उद्योगों द्वारा किया जा रहा था वह अब बड़े उद्योगों द्वारा किया जाने लगा है। छोटे उद्योगों का उत्पादन कम होने से जीएसटी में गिरावट नहीं आयी है क्योंकि वे जीएसटी के दायरे के बाहर हैं लेकिन बड़े उद्योगों के उत्पादन बढ़ने से जीएसटी की वसूली बढ़ गई है इसलिए जीएसटी की वसूली में 40 प्रतिशत वृद्धि उत्पादन में वृद्धि एवं अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता को नहीं दिखाती है बल्कि वह दिखा रही है कि आम आदमी का धंधा चौपट हो गया है। परिणाम है कि आम आदमी के हाथ में क्रय शक्ति नहीं है। वह बाजार से माल नहीं खरीद रहा पा रहा है। बाजार सुस्त पड़ा हुआ है और बड़े उद्योग भी संकट में हैं। जीएसटी की बढ़ी हुई वसूली अर्थव्यवस्था की कमजोरी को दिखाती है।

जीएसटी लागू करते समय केंद्र सरकार ने राज्यों को आश्वासन दिया था कि हर वर्ष उनकी आय में कम से कम 14 प्रतिशत की वृद्धि हो जाएगी।

इससे कम वृद्धि होने पर कमी की भरपाई केंद्र सरकार ने पांच वर्षों तक करने का वादा किया था। जुलाई, 2022 के बाद केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को यह भरपाई बंद कर दी जाएगी। इसके बाद राज्यों को केंद्र सरकार से भरपाई नहीं मिलेगी। कई राज्यों की आय 20 से 40 प्रतिशत तक कम हो जाएगी।

उनके लिए अपने कर्मियों को वेतन देना कठिन हो जाएगा। बजट में इस समस्या का हल यह सुझाया गया है कि राज्य और अधिक मात्रा में ऋण ले सकते हैं लेकिन जब उनकी जीएसटी की वसूली ही कम हो रही है तो ऋण की अदायगी वे कैसे करेंगे? जरूरत यह थी कि बजट में राज्यों की आय को बढ़ाने की व्यवस्था की जाती। सीधा उपाय था कि हर राज्य को छूट दे दी जाती कि वे अपने राज्य की सरहद में जीएसटी की दर को निर्धारित कर सकें। बजट का एक सकारात्मक पहलू डिजिटल करेंसी शुरू करने का है। रिजर्व बैंक द्वारा इसे जारी किया जाएगा। जिस प्रकार कागज के नोट पर एक विशेष नंबर छपा होता है, उसी प्रकार रिजर्व बैंक द्वारा कम्प्यूटर से एक विशेष नम्बर बनाया जाएगा। आप रिजर्व बैंक में नकद जमा कराकर उस नंबर को खरीद सकते हैं जैसे आपने 100 रुपये का नोट रिजर्व बैंक में जमा कराया फिर रिजर्व बैंक ने आपको एक नंबर दिया, जिसकी कीमत रुपये 100 होगी। यह नंबर आपके मोबाइल में रहेगा। जब आप 100 रुपये किसी दूसरे को देना चाहेंगे तो आप उसे यह नम्बर ट्रांसफर कर सकते हैं। तब यह नंबर रिजर्व बैंक के कम्प्यूटर में आपके खाते से हटकर पाने वाले के खाते में दर्ज हो जाएगा। इस लेन-देन में नोट के लिए कागज, छपाई, प्रेस से बैंक तक पहुंचाना, बैंक से आप तक पहुंचाना इन सब भौतिक कार्यों से हमें मुक्ति मिल जायेगी। इस करेंसी से लाभ होगा, लेकिन अर्थव्यवस्था की जो मौलिक समस्याएं हैं उनका हल हासिल नहीं किया जा सकता है। बजट में एक और सार्थक पहल मेक इन इंडिया के प्रति की गई है। रक्षा क्षेत्र में बीते वर्ष 58 प्रतिशत घरेलू खरीद थी, जो इस वर्ष 68 प्रतिशत हो जाने का लक्ष्य है। कच्चे माल के आयात को आसान किया गया है। आयात कर बढ़ाने से आयातित केमिकल्स महंगे हो जाएंगे और घरेलू केमिकल फैक्टरियां चल पड़ेंगी।

बच्चों में कैंसर और जागरूकता

डॉ. अंशुमान कुमार

बच्चों में होनेवाले कैंसर के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो आंकड़े सामने आते हैं, अमूमन उच्च सामाजिक-आर्थिक वर्ग या विशेषकर समृद्ध देशों-अमेरिका और यूरोपीय देशों से संबंधित होते हैं। इन देशों में रिपोर्टिंग सिस्टम अपेक्षाकृत बेहतर है लेकिन, भारत समेत लगभग सभी दक्षिण एशियाई देशों और अनेक अफ्रीकी देशों में बच्चों के कैंसर के मामले सही तरह से रिपोर्ट नहीं होते। इसकी दो वजहें हैं, पहला कैंसर की पहचान नहीं हो पाती। किसी लक्षण के चलते बच्चे की मौत हो जाती है तो उसका कारण कैंसर नहीं माना जाता है। मसलन किसी देहाती इलाके के किसी नर्सिंग होम में एक बच्चे में कैंसर की पहचान हुई, रिपोर्ट भी आ गयी, लेकिन वह आईसीएमआर को रिपोर्ट नहीं हुआ, तो वह मामला रिपोर्टिंग सिस्टम में नहीं आ पाता।

सेंटर फॉर कम्युनिकेबल डिजीज (सीडीसी) के अनुसार, कैंसर मामलों को दर्ज करना आवश्यक है। अमूमन, संक्रमण के मामले दर्ज होते हैं। इसी आधार पर सभी देशों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी होते हैं। कैंसर को भी इसी तरह रिपोर्ट करना आवश्यक होता है ताकि हम उपचार और नियंत्रण के लिए प्रभावी रणनीति तैयार कर सके। भारत में इसकी बहुत कमी है। हालांकि, व्यवस्था बनायी गयी है पर वह प्रभावी नहीं है। कैंसर अस्पताल ऐसे मामलों को रिपोर्ट तो करते हैं लेकिन, सवाल है कि क्या हर मरीज उन अस्पतालों तक पहुंच पा रहा है। उच्च आय वाले देशों यानी उन देशों में जहां स्वास्थ्य बजट बेहतर है और मरीजों पर इलाज का बोझ नहीं है, वहां बच्चों में होनेवाले कैंसर में 80 प्रतिशत तक निदान संभव है। कैंसर की शुरुआती पहचान आवश्यक है। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के डॉक्टरों को पता होता है कि बच्चे में जो लक्षण हैं, वह कैंसरकारक हो सकते हैं। ज्यादातर मामले में कैंसर नहीं निकलता है पर, 10 प्रतिशत मामलों में कैंसर जल्दी पकड़ में आ जाता है।

मरीज को नहीं पता होता है कि उन्हें जाकर कैंसर विशेषज्ञ से मिलना है। कोई उन्हें परामर्श देगा, तभी तो वे सही इलाज तक पहुंच पायेंगे। शुरुआती तौर पर पहचान नहीं होने से हमारे देश में कैंसर होने पर सर्वाइवल कम है। लोगों को नहीं पता कि बच्चों में भी कैंसर की समस्या है। डॉक्टर को भी नहीं जानकारी होती कि शुरुआती जांच में कैसे पहचान करें। बच्चों में सामान्य तौर पर जो कैंसर होता है, वह ल्यूकीमिया यानी रक्त कैंसर, दूसरा लिंफोमा यानी लसीका तंत्र का कैंसर, तीसरा ब्रेन ट्यूमर, चौथा रेटिनोब्लास्टोमा यानी आंख का कैंसर और पांचवां है न्यूरोब्लास्टोमा, किडनी के ऊपर एक ग्रंथि होती है, यह उसका कैंसर है। ल्यूकीमिया और लिंफोमा का लक्षण रक्त से और सर्दी-खांसी से संबंधित होगा। शरीर पर कहीं-कहीं लाल धब्बे निकल जाते हैं। ऐसे लक्षण को नजरअंदाज नहीं करना है। बुखार होने पर आपने बच्चे को पीडियाट्रिशियन को दिखाया, उन्होंने बुखार की दवा दे दी अगर वह ठीक नहीं हो रहा है, तो शक स्वाभाविक है. उसकी जांच करायें। डॉक्टर को भी इन पहलुओं पर विचार करना चाहिए. वजन में कमी, थकान, चिड़चिड़ाहट ये सभी ल्यूकीमिया, लिंफोमा के लक्षण है। ब्रेन ट्यूमर में मेडुलोब्लास्टोमा कैंसर होता है। इसकी मुख्य वजह जन्मजात जीन की खराबी हो सकती है अगर बच्चा सिरदर्द की शिकायत करता है तो अभिभावक मान लेते हैं कि वह स्कूल नहीं जाने का बहाना बना रहा है या लगता है कि टीवी और मोबाइल बहुत देखता था, चश्मा लगनेवाला है। सिरदर्द होने पर उसे उबकाई आती है या उल्टी हो जाती है, तो यह ब्रेन ट्यूमर का लक्षण है।आंख के कैंसर में काली पुतली के बीच में सफेदी आ जाती है। बच्चे को अगर दिखना बंद हो जाये तो रेटिनोब्लास्टोमा हो सकता है। शरीर में कोई असामान्य गांठ हो जाये, जरूरी नहीं कि दर्द हो ही. वहां मांसपेशी या हड्डी का कैंसर हो सकता है। किडनी के कैंसर में बच्चे का पेट फूलने लगता है। इन सभी लक्षणों पर ध्यान देना जरूरी है। सही जांच और सही जगह पर उपचार हो, तो भारत में अनेक कैंसर मरीजों की जान बचायी जा सकती है।

वयस्कों के कैंसर में सिर्फ पांच से 15 प्रतिशत जीन की समस्या से होता है। बच्चों में कैंसर की दो परिकल्पनाएं हैं। बच्चा जब मां के गर्भ में पल रहा होता है, अगर कोई कैंसर कारक तत्व उसे प्रभावित करे तो आगे समस्या हो सकती है। माना जाता है कि सूर्यग्रहण की किरणें गर्भवती मां को प्रभावित करती हैं। हालांकि इसे साबित करने का तरीका नहीं मिल रहा है। इसे कहते हैं कि सिंगल हिट हाइपोथिसिस। दूसरी संभावना है कि कैंसरकारक रसायन या खाद्य पदार्थ से वह कैंसर के प्रभाव आ जाये। पर्यावरणीय प्रदूषण या रेडिएशन ऐसे बच्चों को दोबारा प्रभावित करे, तो इसे कहते हैं डबल हिट हाइपोथिसिस. यह पूरी तरह से अभी सत्यापित नहीं है. हालांकि, बचाव के लिए जरूरी है कि मां अपने खान-पान का ध्यान रखे, रसायन और मिलावट युक्त खाद्य पदार्थों से बचे। ब्रेन ट्यूमर में मोबाइल रेडिएशन अहम कारक हो सकता है। गर्भवती माताओं को मोबाइल से दूरी बना कर रखनी चाहिए। अत्यधिक कॉस्मेटिक्स के इस्तेमाल से बचना चाहिए, इसमें संभावित कैंसरकारक रसायन होते हैं। शोध से अनेक तरह के कारणों का पता लगा है। हमें ऐसे बचाव उपायों को अपनाने के जरूरत है।

खूबसूरत जैसलमेर की रौनक बढ़ाती हैं ये जगह

जैसलमेर शहर चारों तरफ से बंजर रेत और शुष्क थार रेगिस्तान से घिरा हुआ है जो दूर से पीले रंग में चमकता है क्योंकि यहां के किले हवेलियां, मंदिरों में पीले बलुआ पत्थर का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया है। बड़ी-बड़ी मूंछे और रंगबिरंगी पगड़ी पहने पुरुष, सितारे और शीशे लगे लहंगे पहने हुए महिलाएं, पीले बलुआ पत्थर से बने जाली और झरोखे की वास्तुकला, चमड़े की जूतियों की असंख्य दुकानें, ब्लॉक से छपाई किए हुए स्कार्फ और छोटी वस्तुओं पर कलाकारी ये सब चीजें पर्यटक को अपने आप में डूबाकर पुराने समय में ले जाती है। आज हम आपको इस लेख में जैसलमेर के कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने वाले हैं, जहां आपको अपने परिवार वालों के साथ एक बार जरूर जाना चाहिए।

पटवों की हवेली

एक परिसर में पांच छोटी हवेलियों का एक शानदार समूह, पटवों की हवेली जैसलमेर में घूमने के स्थानों की सूची में सबसे ऊपर आती है। खिड़कियों और बालकनियों पर जटिल नक्काशी और उत्तम वॉल पेंटिंग और शीशे का काम हवेलियों की भव्यता को बढ़ाते हैं। इस विशाल हवेली में हवादार आंगन और 60 बालकनी हैं, जिनमें से प्रत्येक में विशिष्ट नक्काशी है जो इसके आकर्षण को बढ़ाती है। हवेली के संग्रहालय में आपको पटवा परिवार से संबंधित पत्थर के काम और कलाकृतियों का दुर्लभ संग्रह भी मिलेगा। पटवों की हवेली आने का सबसे अच्छा समय सितंबर से फरवरी के बीच है।

बड़ा बाग जैसलमेर

शाही परिवारों के मकबरों की एक श्रृंखला के साथ एक उद्यान परिसर, बड़ा बाग राजस्थान के अतीत से संबंधित एक महत्वपूर्ण स्थान है। यह एक छोटी सी पहाड़ी पर स्थित है जिसमें पहाड़ी के तल पर मकबरे या कब्रगाह के प्रवेश द्वार हैं। बगीचे में कई भूरे रंग की छतरियां हैं जो कि गुंबद चौकोर, गोलाकार या पिरामिड के आकार बनी हुई है। आप यहां बगीचे में टहल सकते हैं और पक्षियों को देखकर इस जगह का लुत्फ उठा सकते हैं। बड़ा बाग देखने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से फरवरी के बीच है।

गड़ीसर झील

शहर के बाहरी इलाके में स्थित खूबसूरत गडीसर झील शांति चाहने वालों के लिए एकदम परफेक्ट लोकेशन है। इसका इतिहास 14वीं शताब्दी का है, जब यह पूरे शहर के लिए पानी का एक प्रमुख स्रोत था। अब, गडीसर झील एक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण है जहाँ आप बोटिंग का मजा ले सकते हैं और निकटवर्ती जैसलमेर किले और इसके किनारे पर मौजूद मंदिरों के सुंदर दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। यदि आप सर्दियों में यहां घूमने आ रहे हैं, तो आपको यहां कई प्रवासी पक्षियों का भी जमाव?ा दिखाई दे सकता है। यहां आने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच है।

खाबा किला

खाबा किला, कुलधरा गांव के पास, जैसलमेर में एक और असामान्य और अद्भुत संरचना है। किले और गांव में पालीवाल ब्राह्मण रहते थे, जिन्होंने एक रात अज्ञात कारणों से इसे छोड़ दिया था। अब यह एक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण बन चुका है, इस किले से आप गांव के सुंदर मनोरम दृश्य देख सकते है, साथ ही कई खूबसूरत फोटोज भी खीच सकते हैं।

सैम सैंड ड्यून्स

देश के सबसे प्रामाणिक रेगिस्तानी स्थलों में से एक, सैम सैंड ड्यून्स सूर्योदय और सूर्यास्त के मंत्रमुग्ध कर देने वाले दृश्य प्रस्तुत करता है। आप यहां रेगिस्तान सफारी पर भी जा सकते हैं या ऊंट की सवारी का आनंद ले सकते हैं। थार रेगिस्तान के केंद्र में कई कैम्पिंग पॉइंट भी हैं। लोक नृत्य, संगीत, राजस्थानी व्यंजन और संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित करने वाली गतिविधियां सैम सैंड ड्यून्स में देखी जा सकती हैं।

कहानी — कुछ नहीं

तेनालीराम राजा कृष्णदेव राय के निकट होने के कारण बहुत से लोग उनसे जलते थे। उनमें से एक था रघु नाम का ईर्ष्यालु फल व्यापारी। उसने एक बार तेनालीराम को षड्यंत्र में फसाने की युक्ति बनाई। उसने तेनालीराम को फल खरीदने के लिए बुलाया। जब तेनालीराम ने उनका दाम पूछा तो रघु मुस्कुताते हुए बोला, आपके लिए तो इनका दाम 'कुछ नहीं' है। यह बात सुन कर तेनालीराम ने कुछ फल खाए और बाकी थैले में भर आगे बढ़ने लगे। तभी रघु ने उन्हें रोका और कहा कि मेरे फल के दाम तो देते जाओ। तेनालीराम रघु के इस सवाल से हैरान हुए, वह बोले कि अभी तो तुमने कहा की फल के दाम 'कुछ नहीं' है। तो अब क्यों अपनी बात से पलट रहे हो। तब रघु बोला की, मेरे फल मुफ्त नहीं है। मैंने साफ-साफ बताया था की मेरे फलों का दाम कुछ नहीं है। अब सीधी तरह मुझे 'कुछ नहीं' दे दो, वरना मैं राजा कृष्ण देव राय के पास फरियाद ले कर जाऊंगा और तुम्हें कठोर दंड दिलाऊंगा। तेनालीराम सिर खुझलाने लगे। और यह सोचते-सोचते वहाँ से अपने घर चले गए। उनके मन में एक ही सवाल चल रहा था कि इस पागल फल वाले के अजीब षड्यंत्र का तोड़ कैसे खोजूँ। इसे कुछ नहीं कहाँ से लाकर दूँ। अगले ही दिन फल वाला राजा कृष्ण देव राय के दरबार में आ गया और फरियाद करने लगा। वह बोला की तेनाली ने मेरे फलों का दाम 'कुछ नहीं' मुझे नहीं दिया है। राजा कृष्ण देव राय ने तुरंत तेनालीराम को हाजिर किया और उससे सफाई मांगी। तेनालीराम पहले से तैयार थे उन्होंने एक रत्न-जड़ित संदूक लाकर रघु फल वाले के सामने रख दिया और कहा ये लो तुम्हारे फलों का दाम। उसे देखते ही रघु की आँखें चौंधिया, उसने अनुमान लगाया कि इस संदूक में बहुमूल्य हीरे-जवाहरात होंगे, वह रातों-रात अमीर बनने के ख्वाब देखने लगा। और इन्ही ख्यालों में खोये-खोये उसने संदूक खोला। संदूक खोलते ही मानो उसका ख्वाब टूट गया, वह जोर से चीखा, ये क्या? इसमें तो 'कुछ नहीं' है! तब तेनालीराम बोले, बिलकुल सही, अब तुम इसमें से अपना 'कुछ नहीं' निकाल लो और यहाँ से चलते बनो। वहां मौजूद महाराज और सभी दरबारी ठहाका लगा कर हंसने लगे। और रघु को अपना सा मुंह लेकर वापस जाना पड़ा। एक बार फिर तेनालीराम ने अपने बुद्धि चातुर्य से महाराज का मन जीत लिया था।

हंसना मना है

पत्नी: तुम मुझे सोते हुए गाली दे रहे थे। पति: नहीं तुम्हें कोई गलतफहमी हुई है। पत्नी: क्या गलतफलमी? पति: यही कि मैं सो रहा था... तब से वाकई में पति की नींद गायब है...

एक बार दो चूहे के बच्चे बाइक पर जा रहे थे... रास्ते में उन्हें शेर का बच्चा मिला...उसने कहा मुझे भी बिठा लो कुछ सोचने के बाद चूहे ने कहा...देख ले, वरना बाद में तेरी मम्मी बोलेंगी गुंडों के साथ घूमता है

गणित की क्लास चल रही थी टीचर ने पूछा: बताओं 1000 किलो: एक टन, तो 3000 किलों कितना होगा? पप्पू: जी सर....टन, टन, टन। टीचर को समझ नहीं आ रहा कि शाबासी दूं या क्लास से बाहर निकालूं।

लड़की: लड़के के गले लगकर बोली...कुछ ऐसा कहो की मेरा दिल जोरो से धड़क जाए। लड़का: ऐसे ही खड़ी रह चुपचाप...पीछे तेरा बाप खड़ा है।

10 अंतर खोजें

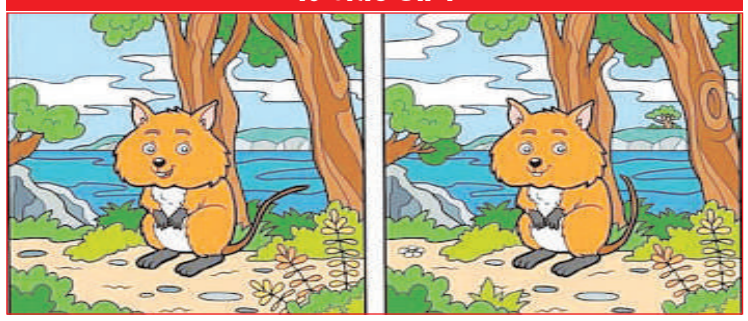

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — प्रेमी चुनते समय सावधानी बरतें और पहले की तरह गलती ना दोहराएं। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चलेगी। पति-पत्नी के बीच तालमेल सामान्य रहेगा।

वृषभ — अपने रिश्तों को ठीक करने का प्रयास करेंगे। इस कदम से संबंध में नयापन और उत्साह बढ़ेगा। पार्टनर के साथ किसी बात को लेकर बहस हो सकती है।

मिथुन — आज मिथुन राशि के जातक रोमांटिक मूड में रहेंगे। पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे। नई रिलेशनशिप शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। वाणी पर संयम रखें।

कर्क — ऑफिस में आज आपसे कोई प्रभावित हो सकता है। प्रेमी के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। प्रेम संबंध में ठीक रहें इसके लिए वाद-विवाद से दूर रहें।

सिंह — प्रेमी के साथ मन-मुटाव हो सकता है। आपकी कोई बात पार्टनर को परेशानी में डाल सकती है। पति-पत्नी के बीच तालमेल रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने से रिश्ते में मजबूती आएगी।

कन्या — आज के दिन आप रोमांटिक मूड में रहेंगे। पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं और खूब टाइम बिताएंगे। धन खर्च हो सकता है। सेहत का ख्याल रखें। वाणी पर संयम रखें।

तुला — रिलेशनशिप के लिए आज का दिन खास है। आज कोई जरूरी फैसला लेने से पहले सोचें। अपने से ज्यादा उम्र वाले किसी इंसान की और आप आकर्षित हो सकते हैं।

वृश्चिक — पार्टनर से खूब उपहार मिलेंगे, जिसकी आपने कभी कल्पना नहीं की थी। आज के दिन आप खुश रहेंगे। आप अपने साथी के प्यार एवं संबंध की गहराइयों को दिल से अनुभव करेंगे।

धनु — पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है। आज शुरू हुई रिलेशनशिप ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी। शाम को पति-पत्नी कही घूमने जा सकते हैं।

मकर — टरनेट की मदद से नए प्रेमी की तलाश खत्म होगी। इस प्रेमी के साथ आपके विवाह के योग हैं। इस सप्ताह अविवाहित लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है। ज्यादा जेब ढीली करने से बचें।

कुम्भ — नए साथी के लिए आपका मन रोमांटिक रहेगा। आज के दिन शुरू की गई रिलेशनशिप लंबे समय तक चलेगी। पति-पत्नी के बीच तालमेल बिगड़ सकता है।

मीन — आज आप हर तरफ रोमांस का अनुभव करेंगे। शादी के लिए पार्टनर मिल सकता है। अपने से ज्यादा उम्र वाले किसी इंसान की और आप आकर्षित हो सकते हैं।

बॉलीवुड | मसाला

जैसमीन और अली गोनी की ब्रेकअप की खबरों से फैंस हुए परेशान

टी वी वर्ल्ड के मोस्ट पॉपुलर कपल जैस्मिन भसीन और अली गोनी के फैंस को ये खबर पढ़कर झटका लग सकता है । अब खबर ही कुछ ऐसी है कि आप चौंक जाएंगे। क्या आपको मालूम है जैस्मिन भसीन का दुबई में भी एक बॉयफ्रेंड है । चौंकिए मत। इसका खुलासा खुद जैस्मिन भसीन ने किया है। एक्ट्रेस ने यहां तक कि अपने इस दुबई वाले बॉयफ्रेंड की फोटो तक दुनिया के सामने शेयर की है। तो क्या जैस्मिन का अली गोनी संग ब्रेकअप हो गया है? जैस्मिन और अली की जोड़ी टीवी वर्ल्ड की फेमस जोड़ियों में शुमार है। उन्हें क्यूट कपल कहा जाता है । फैंस दोनों की केमिस्ट्री के दीवाने हैं। लेकिन क्या अब जैसअली के फैंस का दिल हमेशा के लिए टूट जाएगा? दोनों के अलग होने के बाद अब क्या होगा? इससे पहले कि आप जैस्मिन भसीन और अली गोनी के ब्रेकअप के बारे में सोचकर उदास हो जाएं। हम आपको बता दें कि दोनों का ब्रेकअप नहीं हुआ है। हालांकि ये भी सच है कि जैस्मिन का दुबई में बॉयफ्रेंड हैं। तो आप ये कह सकते हैं कि जैस्मिन के दो-दो बॉयफ्रेंड हैं। सबसे फनी बात ये है कि जैस्मिन भसीन का ये दूसरा बॉयफ्रेंड कोई इंसान नहीं बल्कि चिम्पैंजी स्टेच्यू है। जैस्मिन भसीन की ये फोटो उनकी दोस्त पूर्वा ने शेयर की । कैप्शन में लिखा- क्यूटी शहर में है। मेरा दुबई बॉयफ्रेंड। तो हैरान परेशान होने की कोई बात नहीं है। जैस्मिन का असली प्यार अली गोनी ही हैं। जैस्मिन और अली के बीच कोई तीसरा नहीं आया है। कपल इस बार साथ में वैलेंटाइन नहीं मना पाया। क्योंकि जैस्मिन दुबई में थीं। जैस्मिन और अली की जोड़ी बिग बॉस 14 में बनी थी। शो में दोनों ने अपने प्यार का इजहार किया था। तबसे दोनों साथ में बने हुए हैं। जैस्मिन और अली की दोस्ती शो में काफी पसंद की गई थी ।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी के फैन्स को एकता कपूर ने दी गुडन्यूज

एकता कपूर ने अपने सीरियल्स के फैन को एक बड़ी खुशखबरी दी है। लोगों का फेवरिट सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी फिर से शुरू होने जा रहा है। एकता ने इसका प्रोमो शेयर किया है जिसे देखकर लोगों की पुरानी यादें ताजा हो गईं। उन्होंने अपने पोस्ट में स्मृति ईरानी और रोनित रॉय को भी टैग किया है। साथ ही पूछा है कि इतने सालों बाद प्रोमो देखकर कैसा लगा? एकता के पोस्ट पर कई लोगों ने जवाब दिया है कि वे लोग काफी दिनों से इसका इंतजार कर रहे थे। सीरियल साल 2000 में शुरू होकर 2008 तक चला था। 13 साल बाद फिर से दर्शकों के बीच वापसी कर रहा है।

एकता ने प्रोमो शेयर करके लिखा है, इस प्रोमो की एक झलक देख कर ही सारी पुरानी यादें ताजा हो गई। आज जब मैं पीछे देखती हूं तो हर याद, हर लमहा जिसने इस शो को इतना प्यारा दिलाया, याद आ जाता है। उसी प्यार के साथ जुड़िए इस सफर से दोबारा। बुधवार से हर रोज शाम 5 बजे सिर्फ स्टार प्लस पर। उन्होंने स्मृति ईरानी, रोनित रॉय, अमर उपाध्याय को टैग करके पूछा है कि इतने सालों बाद ये प्रोमो देखकर कैसा लगा?

बॉलीवुड | मन की बात

दिल से दिल मिल गए अब और क्या चाहते हैं : अर्जुन रामपाल

अर्जुन रामपाल और उनकी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स के साथ बॉलीवुड में सुपर गोल्स देते रहते हैं। हालांकि ये कपल एक बेटे एरिक के पैरेंट्स भी हैं। साल 2019 में गैब्रिएला, अर्जुन से शादी करने से पहले ही मां बन गई थीं। अब उनका बेटा 3 साल का होने वाला है। इसके बावजूद अर्जुन-गैब्रिएला की शादी करने की कोई योजना नहीं है। एक्टर ने एक हालिया इंटरव्यू में इस बारें बातें की और कहा कि उन्हें और गैब्रिएला को अपने रिश्ते को मान्य करने के लिए एक कागज के टुकड़े की आवश्यकता नहीं है क्योंकि उनकी अनमैरिड लाइफ किसी कपल से कम नहीं लगता है। बता दें कि बी टाउन का यह सुपर कपल लिव-इन रिलेशनशिप में हैं और अपने बेटे की परवरिश कर रहे हैं। अर्जुन रामपाल ने अपनी मॉडल मेहर जेसिया से शादी की। हालांकि, उनकी शादी टूट गई और दोनों ने मई 2018 में अलग होने की घोषणा की। उनकी दो बेटियां माहिका और मायरा हैं, जो मेहर के साथ रहती हैं। अप्रैल 2019 में, अर्जुन और गैब्रिएला डेमेट्रियड्स ने घोषणा की कि वे एक साथ अपने पहले बच्चे को जन्म दे रहे हैं। गैब्रिएला डेमेट्रियड्स एक मॉडल है। उनके बेटे एरिक का जन्म 18 जुलाई 2019 को हुआ था। हालांकि अर्जुन और गैब्रिएला ने अभी तक शादी नहीं की है। अर्जुन ने पिंकविला से बात करते हुए कहा कि हमारी शादी तो हो गई है ना। दिल दिल से मिल गए हैं अब इससे ज्यादा आपको और क्या चाहिए? इसे प्रूफ करने के लिए कागज के एक टुकड़े की जरूरत है क्या है? मुझे ऐसा नहीं लगता और उसे भी ऐसा नहीं। गैब्रिएल तो शादी में बिल्कुल नहीं चाहती है। इस इंटरव्यू में ग्रैब्रिएला भी अर्जुन के साथ थी।

जो कई सालों से पति नहीं कर पाया वह पत्नी ने एक बार में कर दिखाया, ऐसे बन गए 35 करोड़ के बंगला के मालिक

कहते हैं हर कोई किस्मत वाला नहीं होता। किसी काम को करने से कोई कंगाल हो जाता है तो कोई पलभर में करोड़पति। ऐसा ही कुछ हुआ इंग्लैंड के रहने वाले एक दंपति के साथ। जब एक महिला ने पहली बार खरीदी लॉटरी में ही 35 करोड़ रुपये का बंगला जीत लिया, जबकि महिला के पति पिछले कई सालों से इसके लिए कोशिश कर रहा था। दरअसल, इंग्लैंड का एक व्यक्ति हमेशा लॉटरी की टिकट खरीदता, लेकिन कभी भी उसकी कोई लॉटरी नहीं निकली। इसी बीच एक दिन उसकी पत्नी ने लॉटरी का टिकट खरीद लिया। महिला को भी इस बात का यकीन नहीं था कि वह इस लॉटरी के टिकट को न सिर्फ जीतेगी बल्कि करोड़ों रुपये के बंगले की मालकिन भी बन जाएगी। महिला ने पहली बार में खरीदे लॉटरी के टिकट से 35 करोड़ रुपये का बंगला जीत लिया। बता दें कि इस महिला ने अपने पति को इस लॉटरी के बारे में कुछ नहीं बताया था। बेन नाम का ये शख्स सालों से ओमेज की लॉटरी खरीदता आ रहा था लेकिन कभी उसे कुछ नहीं मिला। जब एक दिन वह व्यक्ति लॉटरी खरीदना भूल गया तो उसकी पत्नी को यह बात याद रही और उसके अपने पति को बिना बताए 1000 की लॉटरी खरीद ली, जिससे वह माला माल हो गए और लॉटरी में उन्होंने 35 करोड़ का बंगला जीत लिया। इससे पहले वे दोनों 2बीएचके के फ्लैट में रहते थे। बता दें कि बेन की पत्नी बेक्का हाल ही में एक बच्चे की मां बनी हैं जिसके चलते वे घर पर ही आराम करती थीं। इस दौरान उन्होंने ओमेज का टीवी पर ऐड देखा तो यादा आया कि पति ने काम की व्यस्तता के चलते लॉटरी नहीं खरीदी है उसके बाद उन्होने तुरंत ऑनलाइन 1000 की लॉटरी खरीद ली, जिससे उनकी किश्तम पलट गई। जब लॉटरी का नंबर लगा तो पत्नी के होश उड़ गए और उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। अब दोनों पति-पत्नी अपने नवजात बच्चे के साथ लॉटरी में निकले बंगले में रहने चले गए हैं।

अजब-गजब | बेहद खौफनाक था नजारा!

अचानक आसमान से होने लगी मरे हुए पक्षियों की बारिश

दुनियाभर में वातावरण में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। इस वातावरण परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर पशु–पक्षियों पर हो रहा है। लेकिन हाल ही में वेल्स में पक्षियों के साथ ऐसी घटना घटी, जिसके बारे में जानकर सभी हैरान हैं। यह भी पता नहीं चला कि ऐसा क्यों हुआ। दरअसल, ब्रिटेन के वेल्स में अचानक सैंकड़ों पक्षी आसमान से मरकर गिरने लगे। सड़क से गुजर रहे लोगों ने यह खौफनाक नजारा देखा। लोगों को समझ नहीं आ रहा था कि इतने सारे पक्षी एक साथ कैसे मर गए।

बुरी तरह से चीख रहे थे पक्षी

डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना वेल्स के पेमब्रोकशायर में वॉटरस्टोन से हेजलबीच के बीच की सड़क पर घटी। चश्मदीदों का कहना है कि सड़क पर कई चिड़िया मरी पड़ी थीं। चश्मदीदों का कहना है कि पक्षी बुरी तरख चीख रहे थे और शोर कर रहे थे। वहीं वेल्स ऑनलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, कुछ लोगों ने दावा किया है कि पास के ड्रैगन एलएनजी गैस कंपनी प्लांट में हुए रिसाव के कारण ऐसा हुआ है। हालांकि इस दावे में कोई सच्चाई नजर नहीं

वेल्स ऑनलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना की चश्मदीद एक महिला ने बताया कि वह जैसे ही उस सड़क पर पहुंची तो वहां का डरावना नजरा देखकर घबरा गई। सड़क पर बहुत सी चिड़िया मरी पड़ी थी। वहीं पेम्ब्रोकशायर काउंसिल ने पुष्टि की है कि 200 से अधिक स्टारलिंग सड़क पर मृत पाए गई हैं। उनकी मौत का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है।

वहीं एक अन्य चश्मदीद ने बताया कि अचानक आसमान से तेज आवाज करती हुई चीड़िया नीचे गिरने लगी। चश्मदीद का कहना है आवाज होने के कुछ ही पल बाद करीब पांच चिड़िया उसकी कार के बोनट पर आ गिरी। वहीं सड़क पर भी कई चिड़िया गिरी हुई थीं।

बाराबंकी में कंटेनर से टकराई कार, दो बच्चों समेत छह की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर हुआ हादसा

» गुजरात से कार से आ रहा था परिवार

बाराबंकी। जिले में हुए सड़क हादसे में छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। कार सवार गुजरात से अयोध्या लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही घटनास्थल से लेकर मृतकों के घर तक कोहराम मचा है।

जानकारी के अनुसार, गुजरात के सूरत से घर लौट रहे कार सवार अयोध्या जिले के निवासी दो बच्चों समेत 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में पटरंगा थाना क्षेत्र निवासी दंपति व दो बच्चे तथा रुधौली थाना क्षेत्र निवासी दो सगे भाई हैं। हादसा आज भोर करीब तीन बजे अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र के नारायणपुर के समीप हुआ, जिसमें हाईवे पर पहले से खड़े कंटेनर से अयोध्या की ओर जा रही कार पीछे से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। भिड़ंत इतनी तेज थी कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में अयोध्या जिले के पटरंगा थाना क्षेत्र के परसाऊ निवासी अजय कुमार यादव (25) पुत्र बंशीलाल, रुदौली थाना क्षेत्र के रसूलपुर निवासी अजय कुमार वर्मा (34) पुत्र बिपत वर्मा व उसका भाई राम जन्म (28), पत्नी सपना (28), बेटा आर्यन व यश गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए तक तत्काल सीएससी रामसनेही घाट पहुंचाया।

चिकित्सकों ने सभी घायलों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों को सूचना दी गई तो घर में कोहराम मच गया । एएसपी उत्तरी पूर्णेन्दु सिंह ने बताया कि लखनऊ अयोध्या हाईवे पर खड़े कंटेनर से कार टकरा गई जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई है। मृतक गुजरात से जनपद अयोध्या अपने घर जा रहे थे। सूचना पर मृतकों के परिजन आ गए हैं। वहीं रामसनेहीघाट पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

भाजपा ने बिना भेदभाव दिया योजनाओं का लाभ: दिनेश शर्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने मंगलवार को हरचंदपुर और सदर विधान सभा में दो जनसभाएं कीं। उन्होंने प्रदेश में दोबारा भाजपा की सरकार आने का दावा किया और कहा कि विकास कार्यों में हमारी पार्टी जाति और धर्म नहीं देखती।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को याद करते हुए कहा कि उनको मानने वाले सभी जाति और धर्म के लोग थे। लोधी समाज भाजपा का परंपरागत मतदाता है। शौचालय, आवास और दूसरी सरकारी योजनाओं में जाति और धर्म देखकर लोगों को लाभांवित नहीं किया गया। भाजपा प्रत्याशी राकेश सिंह के साथ एमएलसी दिनेश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे। शहर के गांधी नगर में जनसभा के दौरान डिप्टी सीएम ने भाजपा प्रत्याशी अदिति सिंह की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह पढ़ी लिखी हैं। उन्हें जनता की बहुत फिक्र है। उनकी सोच राष्ट्रवादी है। वह वर्तमान और भविष्य की विधायक हैं।

मंत्री के बेटे को जमानत, निर्दोष बेटी जेल में: सतीश चंद्र

» बसपा के राष्ट्रीय महासचिव ने भाजपा पर साधा निशाना

» बसपा सरकार में हुआ प्रदेश का विकास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के राष्ट्रीय महासचिव सतीश मिश्र ने मंगलवार को घाटमपुर के परास गांव में जनसभा में कहा कि भाजपा झूठे वादे करती है। बसपा सरकार में खूब विकास कार्य कराए गए थे। उन्होंने पुलिस मुठभेड़ और ब्राह्मणों के मुद्दे को लेकर भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि कानपुर के ब्राह्मण की निर्दोष बेटी जेल में बंद है और लखीमपुर-खीरी में किसानों को कुचलने वाला केंद्रीय मंत्री का बेटा चार महीने में छूट गया। उन्होंने जनता से पार्टी प्रत्याशी प्रशांत अहिरवार को जिताने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा बैंक के घोटालेबाजों को विदेश भेजती है और फिर घाटे में गई बैंक को बेचती है। हाल में ही एक 25 हजार करोड़ का घोटाला और हुआ है। दोनों चरणों में बसपा जीत रही है। हाथी दौड़ रहा है और सीधे लखनऊ जाकर रुकेगा। बसपा सरकार में मुख्यमंत्री मायावती ने 23 नए जिले बनाए थे। 29,500 अंबेडकर ग्राम बनाकर विकास कराया। 5,500 जूनियर हाईस्कूल बनाए। दिव्यांगों के लिए तथा अरबी-फारसी भाषा के विश्वविद्यालय बनाए। 2007 से पहले प्रदेश में 6,500 मेगावाट बिजली उत्पादन होता था। बसपा सरकार में इसे बढ़ाकर 13,500 मेगावाट किया गया था। भाजपा ने 15 लाख रुपये देने का वादा किया, लेकिन दिया नहीं। दो करोड़ नौकरी देने का झूठा वादा किया।

भाजपा सरकार में सुरक्षित महसूस कर रही जनता, तेजी से हो रहा विकास: गडकरी

» लखनऊ उत्तर सीट के भाजपा प्रत्याशी के लिए मांगा समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

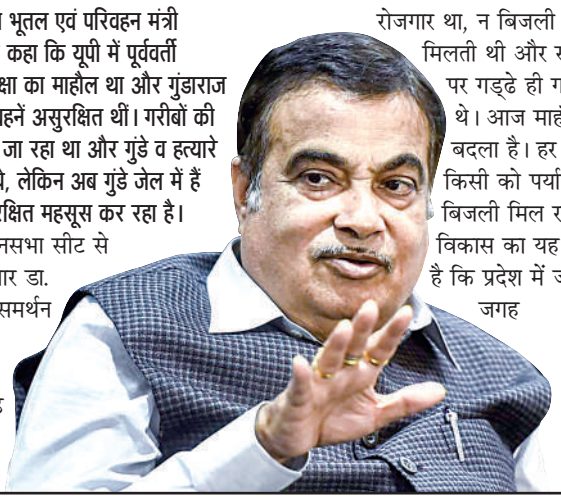

लखनऊ। केंद्रीय भूतल एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि यूपी में पूर्ववर्ती सरकार में असुरक्षा का माहौल था और गुंडाराज कायम था। मां-बहनें असुरक्षित थीं। गरीबों की जमीनों को हड़पा जा रहा था और गुंडे व हत्यारे खुलेआम घूमते थे, लेकिन अब गुंडे जेल में हैं और हर कोई सुरक्षित महसूस कर रहा है।

उत्तर विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार डा. नीरज बोरा के समर्थन में मनकामेश्वर वार्ड के गोकरननाथ रोड पर आयोजित सभा में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पहले कई मायने में धनवान था लेकिन जनता गरीब थी। इस प्रदेश में पर्याप्त पानी है। गंगा और यमुना जैसी नदियां हैं। खेती के बहुत अवसर हैं, लेकिन विकास न होने से यहां की जनता गरीब थी। उनके पास न तो रोजगार था, न बिजली मिलती थी और सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे थे। आज माहौल बदला है। हर किसी को पर्याप्त बिजली मिल रही है। विकास का यह हाल है कि प्रदेश में जगह-जगह फ्लाईओवर बन गए हैं और एक्सप्रेसवे का निर्माण हो रहा है। रोजगार के साधन उपलब्ध हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि यूपी में योगी सरकार आने के बाद विकास हुआ है। योगी सरकार ने गुंडों को जेल भेजने के साथ ही सरकारी जमीनों को खाली कराया है। शुगर मिल बंद हो रही थी और किसानों को गन्ने का भुगतान नहीं हो रहा था। आज किसानों के चेहरों पर खुशी नजर आ रही है। किसान अन्नदाता ही नहीं ऊर्जादाता भी बन रहा है। गडकरी ने कहा कि लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे का काम तेजी से चल रहा है और अब लखनऊ से कानपुर का सफर आधा घंटे में तय हो जाएगा। उन्होंने बेहतर बिजली व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि जब वह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे और यूपी में आते थे तो मंच के पीछे जनरेटर चलने की आवाज आती थी और वह उसके आदी हो गए थे, लेकिन अब यह आवाज सुनाई नहीं देती।

पंजाब के सीएम चन्नी ने वाराणसी के रविदास मंदिर में लगाई हाजिरी

» लोगों का जाना हाल, अपने समुदाय को साधते नजर आए चन्नी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी आज तड़के वाराणसी स्थित संत रविदास मंदिर में माथा टेका। इस दौरान वहां मौजूद रैदासियों ने भी सीएम चन्नी का जमकर स्वागत किया। सीएम चन्नी ने मंदिर में दर्शन करने के बाद पैदल भ्रमण कर रैदासियों का हालचाल जाना। दरअसल, संत रविदास जयंती के अवसर पर वाराणसी का सीर गोवर्धन इलाका पूरी तरह मिनी पंजाब नें तब्दील हो चुका है। हर बार की तरह इस बार भी इस मंदिर में बड़े राजनैतिक दलों के नेता अपनी हाजिरी लगा रहे हैं।

सीएम चन्नी ने दर्शन करने के बाद रैदासियों से भी मुलाकात की। उन्होंने मंदिर के बाद इलाके का भ्रमण किया। पैदल चलते हुए पंजाब से आए श्रद्धालुओं से मुलाकात की। सभी श्रद्धालुओं में खासा उत्साह भी नजर आया। पंजाब के सीएम से मिलने के लिए रैदासी खासा उत्साहित भी दिखे। सीएम चन्नी ने गाहे-बगाहे अपना चुनावी प्रचार भी कर डाला। भोर के अंधेरे में सीएम चन्नी हर एक रैदासी को हाथ जोड़ते हुए नजर आएं। बता दें कि पंजाब में चुनाव है। ऐसे में चन्नी का रविदास मंदिर की हाजिरी खासा महत्व रखती है। पंजाब के बेगमपुरा में तब्दील हो चुके इस इलाके में सीएम चन्नी ने अपनी हाजिरी लगाकर कहीं न कहीं उस समुदाय को साधने की कोशिश की है जिस समुदाय से वो खुद आते हैं।

माघी पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगायी संगम में डुबकी

» दान-पुण्य किया, कल्पवास खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। माघी पूर्णिमा पर संगम में श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई और पूजा-अर्चना की। संगम के अलावा गंगा के अक्षयवट, राम घाट, गंगोली शिवालय, दारागंज व अरैल घाट पर भी स्नान-दान का सिलसिला चला। इसके माघी पूर्णिमा स्नान के साथ संगम क्षेत्र में माह भर से चल रहे कल्पवास खत्म हो गया है।

पौष पूर्णिमा से घर-गृहस्थी से दूर रहकर भजन-पूजन करने वाले कल्पवासी लौटने लगे हैं। संगम व गंगा में डुबकी लगाकर कल्पवासी अपने शिविर पर आकर तीर्थपुरोहितों के मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया। आराध्य व पूर्वजों को नमन करके अगले वर्ष पुन: आने का संकल्प लेकर कल्पवासी घरों को लौटने लगे हैं। प्रसाद स्वरूप संगम का रज, तुलसी व जौ का पौधा साथ ले जा रहे हैं। कल्पवासियों के साथ संत भी लौटने लगे हैं। संतों ने सुबह स्नान करके खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ अपने मठ-मंदिरों में लौटने लगे हैं। स्नान के बाद तीर्थपुरोहितों को अन्न, वस्त्र, गुड़, घी, फल आदि दान दिया गया। पूर्णिमा तिथि का प्रभाव दिनभर है। मेले में अन्य स्नान पर्वों की अपेक्षा कम भीड़ है। हालांकि माघ मेले में दाखिल होने वाले हर्षवर्धन चौराहा और फोर्ट रोड चौराहे पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी है।

तीसरे चरण में भी जनता बीजेपी को नकार देगी : अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले, दो चरणों में ही भाजपा सुन्न, तीसरे में हो जाएगी शून्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जो खुद तमंचावादी हैं वो समाजवादियों को कह रहे हैं। दरअसल बाबा सुबह शीशे में जिसकी शक्ल देखते हैं उसकी दिन भर चर्चा करते हैं।

उन्नाव और कानपुर में चुनावी जनसभा में अखिलेश ने कहा कि मैंने कानपुर देहात में भाजपा वालों की जनसभा में की गई टिप्पणी सुनी। जहां जाते हैं वहीं समाजवादियों को तमंचावादी, माफिया, गुंडे कहते हैं। हकीकत में जो ये खुद हैं वो दूसरों को कहते हैं। कानपुर से एक कारोबारी गोरखपुर गया था उसे पीट-पीटकर मार डाला। इनका एक पुलिस कप्तान आज तक फरार है। इनका एक पुलिस कप्तान जौनपुर में माफिया के लिए पिच बनवाता है। सपा मुखिया ने कहा कि बाबा मुख्यमंत्री गर्मी निकाल रहे, हम पुलिस व अन्य विभागों में भर्ती निकलेंगे। जो गर्मी निकालने की बात कर रहे थे वो पहले चरण के चुनाव में ही ठंडे हो गए। दूसरे चुनाव के बाद सुन्न पड़ गए। तीसरे चरण में शून्य हो जाएंगे। अब जनता गर्मी निकालने वालों का भाप निकालेगी। सपा प्रमुख ने कहा तीसरा चरण भाजपा की नींद उड़ा देगा।

सरकार बनी तो 22 लाख युवाओं को देंगे रोजगार

अपने संबोधन में उन्होंने सीएम योगी पर तंज कसते हुए कहा कि बाबा सीएम खुद लैपटॉप नहीं चला पाते तो बाटेंगे क्या? किसानों के बारे में उन्होंने कहा कि मंडियों में धान लुट गया, खाद मिल नहीं पा रही। डबल इंजन की सरकार में भ्रष्टाचार भी डबल हो गया। रोजगार के विषय पर उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनी तो आईटी क्षेत्र में अपने प्रदेश में 22 लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। बाबा अपने पंसदीदा जानवरों को नहीं संभाल पा रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि हमारी सरकार बनती है तो जानवरों से मरने वालों को 5-5 लाख रुपए मुआवजा दिया जाएगा। अखिलेश यादव ने वादा करते हुए कहा कि राशन के साथ हम घी और सरसों तेल भी देंगे।

भाजपा ही कर सकती है पगड़ी की रक्षा : राजनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» अकाली-कांग्रेस नहीं कर सकते राज्य का विकास

नई दिल्ली। लखनऊ से सांसद व देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि उनके सिर पर बांधी पगड़ी पंजाब की आन, बान व शान है। भाजपा सरकार कभी भी इस पगड़ी को कोई आंच नहीं आने देगी और इसकी रक्षा भाजपा सरकार ही कर सकती है। वे पंजाब के मुक्तसर विधानसभा हलके से भाजपा के उम्मीदवार गोरा पटेला के लिए वोट की अपील कर रहे थे। इस दौरान उनका स्वागत पगड़ी बांध कर किया गया।

राजनाथ सिंह ने कहा कि पंजाब में भाजपा की सरकार बनने पर एक साल में नशे का खात्मा कर दिया जाएगा। अकाली व कांग्रेस ने पंजाब में बार-बार राज किया परंतु यह सरकारें लोगों को बुनियादी सुविधाएं देने में असफल रही है, जिस कारण पंजाब की हालत यह हो गई है। उन्होंने कहा, पंजाब के सिर करोड़ों का कर्ज चढ़ गया है। शिक्षा व रोजगार की कमी के कारण नौजवान करोड़ों खर्च करके विदेशों की ओर भाग रहे है। भाजपा सरकार आने पर पंजाब का इतना विकास किया जाएगा कि कोई भी नौजवान मजबूरी में विदेशों की ओर मुंह नहीं करेगा। उन्होंने करतारपुर कॉरीडोर खोले जाने पर कहा कि कांग्रेस ने देश के बंटवारे समय थोड़ी समझदारी बरती जाती तो आज करतारपुर साहिब भारत में ही होना था। उन्होंने अपने भाषण में गुरू तेग बहादुर के बलिदान व महाराजा रणजीत सिंह का उल्लेख करते धार्मिक व आजादी संग्राम के शहीदों को याद किया। उन्होंने कहा कि भाजपा मेनिफेस्टों में जो वादा करती है। वह पूरा करती है, परंतु कांग्रेस व अकाली दल कहते कुछ है और करते कुछ है।

कांग्रेस प्रत्याशी पंखुड़ी पाठक की फोटो से छेड़छाड़, जांच के आदेश

» आरोपी ने ट्विटर पर खाता संख्या डालकर मांगे रुपए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नोएडा की कांग्रेस प्रत्याशी पंखुड़ी पाठक की फोटो से छेड़छाड़ कर उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया है। भोजपुरी अभिनेता व भाजपा सांसद रवि किशन के नाम व फोटो का इस्तेमाल कर फर्जी ट्विटर अकाउंट से मंगलवार को इसे वायरल किया गया है। साथ ही एक बैंक खाता संख्या डालकर फोटो वायरल न करने के लिए एक लाख रुपये भी मांगे गए हैं। इसकी जानकारी मिलने पर पंखुड़ी ने पुलिस से शिकायत की है।

मामले में यूपी पुलिस के ट्विटर हैंडल से जांच के आदेश दिए गए हैं। वहीं देर रात पंखुड़ी के पति अनिल यादव ने नोएडा साइबर सेल को लिखित शिकायत दी है। पुलिस के अनुसार पंखुड़ी ने कमिश्नर आलोक सिंह व यूपी पुलिस को टैग करते हुए एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने कहा कि उनकी फोटो से छेड़छाड़ कर सोशल मीडिया पर वायरल की गई है। साथ ही, एक बैंक खाते की डिटेल देकर कहा गया है कि अगर एक लाख रुपये जमा नहीं किए तो इसे और आगे फैलाया जाएगा।

शार्प शूटर के साथ सिद्धार्थनाथ की फोटो वायरल

कुख्यात अपराधी ने नितिन गडकरी के साथ मंच किया साझा, अब उठने लगे भाजपा पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में माफियाओं के खिलाफ की गई कार्यवाही का दुहाई देकर दोबारा सत्ता में आने का प्रयास कर रही है। तो वहीं हर मंच से प्रधानमंत्री मोदी से लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत सभी मंत्री व नेता यह बोलते हुए नजर आते हैं कि उत्तर प्रदेश में माफिया या तो जेल में है और जो बचे हैं वह प्रदेश छोड़कर भाग गए हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के कथनी और करनी में बहुत अंतर है।

सपा प्रत्याशी ने कैबिनेट मंत्री को घेरा

प्रयागराज की शहर पश्चिमी सीट से 2017 में जनता ने सिद्धार्थ नाथ सिंह को चुना था, लेकिन इस बार सपा की लहर देखकर मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह इतना घबरा गए हैं कि वह अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन गैंग के सदस्य निहाल कुमार उर्फ बच्चा पासी के शार्प शूटर मनजीत कुशवाहा को अपने साथ लेकर चलने लगे हैं। कल जब नितिन गडकरी सिद्धार्थ नाथ सिंह के प्रचार के लिए झलवा चौराहे के पास मैदान पर जनसभा का को संबोधित करने के लिए पहुंचे थे। नितिन गडकरी ने मंच से माफियाओं के खिलाफ बोल रहे थे तो उसी मंच पर कुख्यात अपराधी मंजीत कुशवाहा सिद्धार्थ नाथ सिंह के बगल में बैठा हुआ था। शहर पश्चिमी से सपा प्रत्याशी रिचा सिंह का कहना है कि सिद्धार्थ नाथ सिंह की सोच माफियाओं वाली हो गई है वो अब खुद माफिया हो गए है। इस चुनाव में उनकी हार तय है।

सरोजनी नगर सीट सपा ही जीतेगी : अभिषेक

टिकट भाजपा ने स्वाति सिंह का काटा, जनता सपा की सरकार बनाने जा रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में सबसे दिलचस्प मुकाबले में से एक राजधानी लखनऊ की सरोजनी नगर सीट हो गई है। यहां पर भाजपा और सपा के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। भाजपा ने यहां की सिटिंग विधायक को टिकट न देकर हाई प्रोफाइल कैंडिडेट राजेश्वर सिंह को मैदान में उतारा है। जवाब में सपा ने भी हाई प्रोफाइल कैंडिडेट प्रोफेसर अभिषेक मिश्रा को टिकट देकर चुनावी रोमांच को बढ़ा दिया है।

सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सरोजनी नगर सीट से सपा के उम्मीदवार पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा ने सरोजनी नगर को लेकर कहा कि किसी की कोई ट्रेडिशनल सीट नहीं होती है। हमने देखा है कुछ लोग गुजरात छोड़कर बनारस लड़ने आ गए। मेरी विधानसभा सीट पहले लखनऊ उत्तर थी जो सरोजनी नगर से महज 5 किलोमीटर की दूरी पर है। मैं लोकसभा चुनाव लड़ चुका हूं, 2014 से पूरे क्षेत्र में सीधा जुड़ा हूं। लोकसभा चुनाव लड़ने के बाद लोगों के यहां आना-जाना, उनसे मिलना और उनके सुख-दुख में शरीक होना लगा रहा। चुनाव लड़ने के लिए भाजपा के पास कोरोना नहीं है। कोरोना में गंगा में लाशें बहीं, जिनको बता रहे थे कि बिहार से उल्टी तैर कर आ रही हैं। उस समय लाशें दबाई गई थीं। प्रदेश के लोगों को सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य के नाम पर छलने का काम भाजपा ने किया है। सपा की सरकार बनने जा रही है, हम लोग इस पर काम करेंगे। इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम करेंगे और लोगों के दिलों में जगह बनाकर जीतेंगे। इस विधानसभा में सभी मुद्दों पर भाजपा से हम आगे हैं, क्योंकि जनता आज पूछ रही है कि आपने इतने सालों में क्या किया है। कौन-सा आपने अस्पताल बना दिया ? कौन-सी शिक्षा की व्यवस्था कर दी? कहां पर आपने व्यापार बढ़ा दिया ? भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ उनके कार्यकर्ता ही बहुत गुस्से में हैं। आज समाजवादी पार्टी पर लोगों का विश्वास बढ़ा है, बहुमत की सपा सरकार बनने जा रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।